THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHRA RAJE): (a) Yes madam.

(b) and (c) Following the recent nuclear tests at Pokhran on May 11 and 13, 1998, the Government are in the process of reviewing the nuclear policy of the country. Government have accorded high priority for work towards the next phase of AGNI programme.

MoUs signed with Peru

204. DR. D. VENKATESHWAR RAO: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the Memorandum of Understaning (MoU) India signed with Peru during the recent visit of the President; and

(b) the advantages likely to accrue in trade between India and Peru after the recent agreements?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHRA RAJE): (a) During the visit of the President to Peru from 29th April to 3rd May, 1998, a Memorandum of Understanding between the Indian Space Research Organisation (ISRO) and the counterpart Peruvian agency National Commission for Research and Development of Aerospace (CONIDA) for Cooperation in space Technology and Work Plan on Cooperation in the field of Agriculture were signed.

(b) The documents signed with Peru will open new areas of cooperation and increase trade and economic exchanges between the two countries. Peruvian authorities had approached India for receiving on commercial basis, remote sensing data, satellite communication facilities, satellite meterorology application and training of their personnel in India. The Work Plan in Agriculture will open up avenues for exchange of germplasm on food crops and sugarcane breeding, watershed management, pest management, potato cultivation and dairy development. Peru has show interest in importing cattle from India and to cooperate in dairy development on the pattern of the National Dairy Development Board. Under the programme there would also be an exchange of scientists and technologists in these areas.

बांग्लादेश द्वारा घिरे द्वीपों में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए परिवहन संबंधी सुविधाएं

205. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि लगभग 126 भारतीय द्वीप बांग्लादेश के घिरे हुए हैं और वहां रहने वाले भारतीय नागरिक परिवहन की उचित सुविधाएं न होने के कारण नारकीय परिस्थितियों में रह रहे है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में वास्तविक स्थिति क्या है; और

(ग) क्या सरकार को हाल ही में कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है तथा इन मांगों के संबंध में अब तक सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती वसुन्धरा राजे): (क) से (ग) बांगलादेश में 111 भारतीय एन्कलेव तथा भारत में बांगलादेश के 51 एन्कलेव है जिनके बारे में दोनों देशों के सर्वेक्षण प्राधिकारी रिकार्डों का सामंजस्य कर रहे हैं। भारत का बांगलादेश स्थित भारतीय एन्कलेवों पर कोई प्रशासनिक नियंत्रण अथवा पहुंच नहीं है। इन एन्कलेवों के आदान-प्रदान का सीधा संबंध भारत और बांगलादेश के बीच सीमा के सीमांकन से है तथा यह आदान-प्रदान सीमा के सीमांकन के पश्चात् अनिवार्य रूप से किया जाएगा। सरकार को भारतीय एन्कलेवों में रह रहे भारतीय राष्ट्रिकों की दशा के बारे में रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं। सरकार इन मसलों की गम्भीरता से अवगत है तथा इनका यथाशीघ्र हल निकालने के प्रति उत्सुक है। सरकार बांगलादेश के साथ सीमा संबंधी सभी मसलों के शीघ्र समाधान के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है।

Discussion with Bangladesh to stop illegal trafficking of women and children

206. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Bangladesh has sought assistance from India to stop illegal traffficking of women and children;